<u>श्री राजेश दवेरा, स्वतंत्र निदेशक</u>,

<u>सीएमपीडीआईएल का प्रोफ़ाइल</u>

श्री राजेश दवेरा (डीआईएन - 11828075) एक जाने-माने टैक्स कंसल्टेंट, फाइनेंशियल मैनेजमेंट प्रोफेशनल और कॉर्पोरेट एडवाइज़र हैं। उन्हें टैक्सेशन, फाइनेंस, कॉर्पोरेट एडवाइज़री, इंटरनल ऑडिट और बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन के क्षेत्र में लगभग चार दशकों का व्यापक अनुभव है। उन्हें 15.07.2026 से सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिज़ाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) के बोर्ड में नॉन-ऑफिशियल इंडिपेंडेंट डायरेक्टर के तौर पर नियुक्त किया गया है।

उन्होंने राजस्थान यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ़ कॉमर्स और मास्टर ऑफ़ कॉमर्स की डिग्री हासिल की है। इसके अलावा, उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी (इंटरमीडिएट और फ़ाइनल ग्रुप-II) पूरी की है और द ग्लोबल ओपन यूनिवर्सिटी से फ़ाइनेंशियल मैनेजमेंट में एमबीए किया है, जिससे उनके पास मज़बूत फ़ाइनेंशियल जानकारी और बेहतरीन मैनेजमेंट स्किल दोनों का संगम है।

1988 से, श्री दवेरा 'राजेश दवेरा एंड कंपनी' के एकमात्र मालिक रहे हैं और इनकम टैक्स, वैट, जीएसटी, बैंकिंग और फाइनेंशियल एडवाइज़री सर्विस में प्रोफेशनल सलाह देते रहे हैं। इतने सालों में, उन्होंने कई बिज़नेस संस्थानों को टैक्स, फाइनेंशियल प्लानिंग, रेगुलेटरी नियमों का पालन और बिज़नेस मैनेजमेंट के बारे में सलाह दी है।

2013 से 2018 के बीच, उन्होंने जोधपुर और बीकानेर क्षेत्रों के लिए टोयोटा डीलरशिप, 'चंद्रोदय ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड' के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) के तौर पर काम किया। यहाँ उन्होंने कॉर्पोरेट प्लानिंग, फाइनेंशियल मैनेजमेंट, ऑपरेशनल एक्सीलेंस, बिज़नेस ग्रोथ और गवर्नेंस के मामलों में रणनीतिक नेतृत्व प्रदान किया। साथ ही, 2014-2015 के दौरान उन्होंने 'पी.जी. फॉइल्स लिमिटेड' के इंटरनल ऑडिटर के तौर पर भी काम किया, जहाँ उन्होंने फाइनेंशियल कंट्रोल, ऑडिट सिस्टम और कंप्लायंस फ्रेमवर्क को मज़बूत करने में योगदान दिया।

उनकी विशेषज्ञता के मुख्य क्षेत्रों में फाइनेंस, टैक्सेशन, फाइनेंशियल मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट गवर्नेंस, इंटरनल ऑडिट, एडमिनिस्ट्रेशन, स्ट्रैटेजिक प्लानिंग और बिज़नेस एडवाइजरी शामिल हैं।

अपने व्यापक पेशेवर अनुभव, वित्तीय मामलों की गहरी समझ, नेतृत्व क्षमता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, श्री राजेश दवेरा नीति-निर्माण, वित्तीय निगरानी और रणनीतिक निर्णय लेने में बहुमूल्य विशेषज्ञता लाते हैं, जिससे वे सीएमपीडीआईएल के बोर्ड और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में प्रभावी ढंग से योगदान कर पाते हैं।